

डॉ. नॉट हेम, नीतिवचन, व्याख्यान 10, नीतिवचन 10 - 5 प्रकार के समूह

© 2024 नॉट हेम और टेड हिल्डेब्रांट

बाइबिल की नीतिवचन पुस्तक पर व्याख्यान 10 में आपका स्वागत है। अब तक, मैं पढ़ा रहा हूँ, हम मुख्य रूप से नीतिवचन के अध्याय 1 से 9 पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और फिर पिछले दो व्याख्यानों में हम एक ऐसे विषय पर गौर कर रहे हैं जो पूरी किताब में फैला हुआ है, अर्थात् समृद्धि शिक्षण का विषय। नीतिवचन की पुस्तक, आर्थिक रूप से समृद्ध कैसे बनें। इस व्याख्यान में, मैं विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को देखना शुरू करना चाहता हूँ, विशेषकर नीतिवचन के अध्याय 10 से 29 में, जहां अब हमारे पास सामग्रियों की एक अलग तरह की व्यवस्था है।

अध्याय 1 से 9 में, हमारे पास 10 व्याख्यान थे जिनमें लेडी विजडम के कई भाषण शामिल थे, तथाकथित ज्ञान अंतराल। अध्याय 10 से 29 में, हमारे पास बड़े पैमाने पर स्वतंत्र व्याकरणिक और वाक्यात्मक रूप से स्वतंत्र कथनों के अनुक्रम हैं जो स्वयं में निहित हैं और जो आमतौर पर पहले और बाद के छंदों के साथ व्याकरणिक या वाक्यात्मक रूप से जुड़े या संबंधित नहीं होते हैं। कई साल पहले, मुझे लगता है कि यह 2013 की बात है, जब मैंने नीतिवचन की किताब में भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियों पर एक किताब प्रकाशित की थी, जो काफी बड़ी थी।

इस विशेष व्याख्यान में, मैं इस पुस्तक के एक खंड को देखना चाहता हूँ जो हमें इन व्यक्तिगत कहावतों की प्रकृति को समझने में मदद करता है, मेरा मानना है, नए तरीके से और बहुत ही रोचक और रोमांचक तरीके से जो हमें इन सामग्रियों को पढ़ने में मदद करता है कल्पना के साथ और विवरण पर स्पष्ट ध्यान के साथ भी। इसलिए, मैं जो करना चाहता हूँ वह उन व्याख्यान सामग्रियों के विपरीत इन लौकिक कथन सामग्रियों का एक कल्पनाशील वाचन प्रदर्शित करना है जिन्हें हम अब तक देख रहे हैं। जिस तरह से मैं ऐसा करूंगा वह मेरी पुस्तक के अध्याय 6 में चर्चा किए गए कई मुद्दों पर प्रकाश डालकर होगा जहां मैं विशेष रूप से कई कहावतों को देख रहा हूँ जो परिश्रम से संबंधित हैं।

अर्थात्, नीतिवचन 6, श्लोक 8, नीतिवचन 30, श्लोक 25, और नीतिवचन 10, श्लोक 5। मैंने इन्हें इसलिए चुना है क्योंकि अध्याय 10, श्लोक 5, इसकी शुरुआत में छंदों के शुरुआती समूह का हिस्सा है। सुलैमान की नीतिवचनों का नया संग्रह, जैसा कि हमें अध्याय 10, श्लोक 1 में बताया गया है। मेरा मानना है कि श्लोक 5 इन व्यक्तिगत कहावतों को एक नए संग्रह के रूप में पेश करने और इन छंदों को पढ़ने में हमारी मदद करने के लिए एक जानबूझकर संपादकीय रणनीति का हिस्सा है। स्वतंत्र, स्व-निहित कहावतें हैं। फिर भी, उन्हें छोटे समूहों के हिस्सों के रूप में पढ़ने के लिए, मैं उन्हें लौकिक समूह कहता हूँ, आमतौर पर 3 और 10 छंदों के बीच, ज्यादातर 5 और 8 छंदों के बीच। सात से कम विभिन्न प्रकार की पुनरावृत्तियाँ नहीं हैं।

ओह, संभवतः मुझे विभिन्न पुनरावृत्तियों के बारे में भी कुछ कहना चाहिए। इसलिए, अध्याय 10, श्लोक 5 में नीतिवचन के अलावा, हम 6, 8, और 3, 25 को देखेंगे क्योंकि इन तीन श्लोकों में तीन

कथन बहुत समान हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वे वही हैं जिन्हें मैं एक-दूसरे की भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियाँ कहता हूँ।

वे इतने समान हैं कि उन्हें एक-दूसरे के भिन्न रूप और दोहराव के रूप में पहचाना जा सकता है, लेकिन वे एक-दूसरे से विशिष्ट तरीकों से भिन्न भी हैं। और इस अनुभाग में, हम उस पर गौर करने जा रहे हैं, और हम भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियों को देखेंगे और वे कैसे भिन्न और समान हैं इत्यादि, लेकिन संपादकीय कार्य और पढ़ने की रणनीतियों को समझने की दृष्टि से, जिनकी हमें खोज करने के लिए आवश्यकता है। अध्याय 10 से 29 तक की सामग्री। तो, मुझे उन्हें अध्याय से पढ़ने दीजिए।

अध्याय 6 के 19 छंदों में से छह सहित, 31.6% के अनुपात सहित सात अलग-अलग प्रकार की पुनरावृत्तियाँ हैं। अध्याय 6, श्लोक 8 के पहले आधे श्लोक को अध्याय 30, श्लोक 25 के दूसरे आधे श्लोक में दोहराया गया है, प्रारंभिक क्रिया रूपों और अंतिम संज्ञाओं के प्रत्यय रूपों पर एकवचन से बहुवचन में परिवर्तन के साथ। आइए मैं आपको ये पंक्तियाँ पढ़कर सुनाता हूँ। यह, यानी चाची, गर्मियों में अपना भोजन तैयार करती है और फसल के दौरान अपने प्रावधान इकट्ठा करती है, 6, 8। चाची शक्तिहीन लोग हैं, फिर भी वे गर्मियों में अपना भोजन तैयार करती हैं।

तो, ये दोनों कथन गर्मियों में चाची और उनके द्वारा भोजन तैयार करने से संबंधित हैं, लेकिन 6.8a में, यह एक चाची है, और 30.25b में, यह कई चाची हैं। मैं इसकी तुलना 10, श्लोक 5 से भी करना चाहता हूँ, जहाँ हमारे पास गर्मियों में भोजन तैयार करने वाला भी कोई है, लेकिन यह चाची नहीं, बल्कि बेटा है। मुझे पढ़ने दो।

जो बेटा धूपकाल में बटोरता है, वह बुद्धिमान होता है, परन्तु जो बेटा कटनी के समय में सोता है, वह लज्जित होता है। और हम यहां इस प्रकार की पुनरावृत्ति बातचीत में देख सकते हैं कि, निश्चित रूप से, गर्मियों में चाची द्वारा भोजन तैयार करने के चित्र वास्तव में चित्रण और उदाहरण हैं, मनुष्यों के लिए, युवा पुरुषों और बेटों के लिए, समान तरीके से कार्य करने के लिए, मॉडल हैं। मेहनती होना. नीतिवचन, अध्याय 6, श्लोक 8 में, पहले आधे श्लोक में प्रत्येक आइटम का दूसरे भाग में एक संगत पद होता है।

फिर, यहाँ एक उदाहरण है जिसमें सख्त समानता की पारंपरिक श्रेणियाँ लागू होती प्रतीत होती हैं। यह पद पर्यायवाची समानता का उदाहरण प्रतीत होता है। अंग्रेजी अनुवाद में, संबंधित तत्व इस तरह दिखते हैं।

यह तैयार करता है. यह इकट्ठा होता है. गर्मी के मौसम में। फसल में. ये खाना है। इसके प्रावधान.

समांतरता का एक प्रतिरूप होता है। हालाँकि, संबंधित वस्तुओं की बारीकी से तुलना से पता चलता है कि समानार्थी श्रेणी विशेष रूप से उपयोगी नहीं है। सामान्य अर्थों में पर्यायवाची एकमात्र वस्तुएँ सूचियों के अंतिम सेट में हैं, इसका भोजन और इसके प्रावधान।

जबकि व्याख्याकार जो सटीक समानता के परिसर से काम करते हैं, उन्होंने इसे समानता के विशेष रूप से अच्छी तरह से संतुलित उदाहरण के रूप में देखा होगा, कुछ ने व्यक्तिगत वस्तुओं

के बीच समानांतर संबंधों की सटीक प्रकृति पर विचार किया है। हालाँकि, ऊपर सूचीबद्ध अन्य दो सेटों की प्रकृति को रफ एंड रेडी पदनाम पर्यायवाची का उपयोग करने की तुलना में अधिक सटीक रूप से वर्णित किया जा सकता है। गर्मी और फसल इस मायने में तुलनीय हैं कि वे दोनों वर्ष के एक मौसम का वर्णन करते हैं।

हालाँकि, पहला मौसमों के बीच मौसम संबंधी अंतर पर केंद्रित है, जबकि दूसरा कैलेंडर की कृषि प्रासंगिकता पर केंद्रित है। वे पर्यायवाची नहीं हैं, क्योंकि ग्रीष्म ऋतु बिना किसी विशेष फोकस के वर्ष में केवल एक मौसम को संदर्भित करती है। इन ऋतुओं के जो पहलू दिमाग में आते हैं, वे हैं मौसम संबंधी विशेषताएं, यात्रा पर जाने का सुखद समय और दिन के अंत में शाम की हवा का आनंद लेना।

बढ़ती फसलों की निराई-गुड़ाई और पानी देने का समय। अगले कृषि चक्र के लिए खेत तैयार करने और कुछ फसलों के साथ बीज बोने का समय। बेशक, बाद वाले पहलू वे विशेषताएँ हैं जो यहाँ प्रासंगिक हैं और उन्हें तैयारी शब्द के माध्यम से ध्यान में लाया जाता है।

इसके विपरीत, फसल कटाई शब्द मौसम के एक विशेष कृषि पहलू पर ध्यान केंद्रित करता है। यह किसी के परिश्रम का फल पाने और समुदाय के अस्तित्व के लिए आवश्यक प्रावधान जुटाने का समय है। तो फिर, फसल पर्यायवाची या विरोधी हुए बिना गर्मियों से मेल खाती है।

दोनों शब्द एक-दूसरे के पूरक हैं क्योंकि फसल ग्रीष्म शब्द में अधिक सटीकता जोड़ती है। इज़राइल में जलवायु और कृषि चक्र का ज्ञान यह प्रदर्शित करेगा कि कैसे। रिचर्ड क्लिफोर्ड की टिप्पणी में उनका सारांश आवश्यक जानकारी प्रदान करता है, और मैं उद्धृत करता हूँ, फिलिस्तीन में केवल दो मौसम हैं, अप्रैल से सितंबर में शुष्क गर्मी और अक्टूबर से मार्च तक बरसाती सर्दी।

गर्मियों में बारिश और बर्फबारी लगभग अज्ञात है। कटाई का समय अप्रैल से मई में जौ की कटाई या चार सप्ताह बाद गेहूँ की कटाई, या देर से गर्मियों और शुरुआती शरद ऋतु में जैतून और अंगूर सहित फलों की कटाई हो सकती है, जैसा कि यशायाह 16, श्लोक 9, अंत उद्धरण में है। इस जानकारी से समझने वाली मुख्य बात यह है कि इज़राइल में फसल तीन अलग-अलग अवधियों में होती है, सभी गर्मियों के महीनों के दौरान।

इसका मतलब यह है कि गर्मी और फसल कुछ पहलुओं के संबंध में अर्थ में ओवरलैप हैं, लेकिन कृषि उद्यम के संबंध में अलग-अलग फोकस हैं। मौसम को संदर्भित करने के लिए फसल के नाम का चुनाव प्रचुर मात्रा में फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारी करने के लिए उस मौसम के रूप में गर्मी के महत्व पर केंद्रित है। इसी प्रकार, तैयार करना और इकट्ठा करना शब्द पर्यायवाची न होकर पूरक हैं।

साथ का सीधा विपरीत बिखराव होगा। ये दो शब्द बुआई और कटाई को संदर्भित करते हैं, ये गतिविधियाँ एक साथ कृषि उद्यम की लय का वर्णन करती हैं। हालाँकि, भोजन तैयार करना एक अधिक सामान्य संदर्भ है जो रूपक के अनुरूप चींटियों की अनंतिम गतिविधियों को संदर्भित कर सकता है।

मनुष्यों के संबंध में, यह गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि खेत की जुताई करना, सिंचाई प्रणाली बनाए रखना, निराई करना और कीटों और बीमारियों का इलाज करना। इस सब का मुद्दा यह है कि पाठक या श्रोता को केवल बोनो के लिए नहीं कहा जाता है, अर्थात्, प्राप्त करने के लिए न्यूनतम प्रयास करने के लिए। यहाँ तक कि स्लगर्स भी जानते हैं कि बोए बिना फसल नहीं मिलती।

बल्कि, जल्दबाजी में युवाओं को उचित पृष्ठभूमि के काम में कटौती न करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि सच्ची सफलता सुनिश्चित हो सके। अब मैं नीतिवचन 30, श्लोक 25 की ओर मुड़ता हूँ। यहाँ समानता का विश्लेषण करने के दो तरीके हैं।

पहला, विरोधाभासी समानता की पारंपरिक श्रेणी को लागू करते हुए, शक्तिहीन लोगों की अभिव्यक्ति और गर्मियों में अपना भोजन इकट्ठा करने को एक ढीले अर्थ में विरोधाभासी के रूप में वर्गीकृत करेगा। तब, अंग्रेजी अनुवाद में, समतुल्यता चींटियाँ होंगी, लेकिन कोई समकक्ष नहीं, और बिना ताकत वाले लोग और जो गर्मियों में अपना भोजन इकट्ठा करते हैं। यह संदिग्ध है, अगर हम वास्तव में इन्हें पत्राचार के रूप में लेते हैं, तो उन्हें वास्तव में समानांतर कहा जा सकता है।

माना जाता है कि इसमें एक निश्चित मात्रा में पत्राचार है क्योंकि दोनों कथन, बिना ताकत वाले लोग और वे गर्मियों में अपना भोजन इकट्ठा करते हैं, किसी न किसी तरह से एक दूसरे के साथ विरोधाभास करते हैं। लेकिन यह केवल आसपास के छंदों के प्रासंगिक स्तर पर ही ध्यान में आता है। कविता अपने आप में समानता से निर्मित नहीं है।

बल्कि, अध्याय 30, श्लोक 25 में समानता, आसपास के छंदों, श्लोक 24 से 28 के अंतर- और ट्रांसलीनियर स्तरों पर काम करती है। जब मैं दोनों के व्यापक संदर्भ को देखूंगा तो मैं कुछ मिनटों में इस पर अधिक विस्तार से विचार करूंगा। ये कहावतें। अब मैं नीतिवचन 10, पद 5 की ओर मुड़ता हूँ। मैं इसे तुलना के लिए यहां शामिल करता हूँ क्योंकि इसमें इस सेट के अन्य दो प्रकारों के साथ कुछ महत्वपूर्ण समानताएं हैं, हालांकि, सख्ती से कहें तो, यह एक भिन्न पुनरावृत्ति नहीं है।

इस कविता को एक विरोधाभासी समानता माना जाता था। इस पारंपरिक प्रतिमान के अनुसार, इनमें से दो सेटों को तब विपरीतार्थक माना जाता था, और इनमें से एक सेट पर्यायवाची होता था। संबंधित अभिव्यक्तियों के तीन सेट एकत्र किए जाते हैं, नींद के विपरीत, गर्मी में, फसल के दौरान की तुलना में, और सक्षम पुत्र, एक बदनाम बेटे की तुलना में।

हम एक साथ और सोने पर कुछ टिप्पणियों से शुरुआत करते हैं। जैसा कि ऊपर 6.8 की चर्चा में बताया गया है, एक साथ का विपरीतार्थी शब्द, या अधिक सटीक रूप से कहें तो बिखराव है। ये दो शब्द बुआई और कटाई को संदर्भित करते हैं, ये गतिविधियाँ एक साथ कृषि उद्यम की लय का वर्णन करती हैं।

इसलिए, सोना स्पष्ट रूप से एक साथ का सीधा विलोम नहीं है। बहरहाल, शब्दों का पहला सेट पूरे वाक्यांश के स्तर पर एक दूसरे के साथ विरोधाभास रखता है, क्योंकि नींद का तात्पर्य है कि कविता के दूसरे भाग में सूरज फसल में इकट्ठा नहीं होता है। लेकिन विरोध अस्पष्ट है, और मेरा मानना है कि यह अशुद्धि जानकारी का अधिशेष बताती है।

नींद का तात्पर्य मेहनती गतिविधि की अनुपस्थिति से कहीं अधिक है, लेकिन यह आलस्य और गलत प्राथमिकताओं का भी संकेत देती है। गर्मी और फसल पर कुछ टिप्पणियाँ इन छंदों पर और अधिक प्रकाश डाल सकती हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, इज़राइल में जलवायु और कृषि चक्र के बीच संबंध का ज्ञान इन छंदों की व्याख्या के लिए सहायक है।

विवरण के लिए, मैं आपको याद दिलाता हूँ कि क्लिफोर्ड ने मेरे द्वारा पहले साझा किए गए उद्धरण में क्या कहा था। इज़राइल में गर्मी के महीनों के दौरान फसल दो से तीन अलग-अलग अवधियों में गिरती है। इसका मतलब यह नहीं है कि गर्मी का समय फसल की अवधि के समान है, बल्कि इसका मतलब यह है कि फसल का समय गर्मी के दौरान होता है।

तथ्य यह है कि अध्याय 10, श्लोक 5 गर्मियों में इकट्ठा होने की बात करता है, तो इसका मतलब है कि अध्याय 6, श्लोक 8 के विपरीत, फसल के समय के रूप में गर्मी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, न कि अन्य सभी गतिविधियों पर भी। यह इंगित करने योग्य है कि यह फोकस समानता के स्तर पर गर्मी और फसल के बीच पत्राचार के माध्यम से नहीं बनाया गया है, बल्कि क्रिया के साथ गर्मी के संयोजन के माध्यम से बनाया गया है। इसी प्रकार, दो शब्द सक्षम पुत्र और बदनाम पुत्र समानार्थक शब्द नहीं हैं।

सक्षम का विपरीतार्थक शब्द अक्षम होगा, अपमानजनक नहीं। इसके विपरीत लज्जास्पद का विपरीतार्थक शब्द सम्माननीय होगा, सक्षम नहीं। हालाँकि, दोनों शब्दों के बीच विरोध की अस्पष्ट प्रकृति समानता में कोई दोष नहीं है।

बल्कि, यह उस जानकारी की मात्रा को बढ़ाता है जो काव्यात्मक पंक्ति संप्रेषित कर सकती है, क्योंकि अस्पष्ट विरोधाभास विपरीत आधे-पंक्ति में उनके संबंधित एंटोनिम्स का संकेत देते हैं। सक्षम पुत्र, अध्याय 10, 5बी के निहितार्थ के अनुसार, एक सम्माननीय पुत्र भी है। और बदनाम बेटा, निहितार्थ से, एक अयोग्य बेटा भी है।

अब मैं नीतिवचन अध्याय 6, 8 और नीतिवचन 30, 25 के संदर्भों की ओर मुड़ता हूँ। नीतिवचन 6, 8 एक लंबी इकाई से संबंधित है, छंद 6 से 11। प्रारंभिक अपील के आसपास संरचित, चाची के पास जाओ, एकवचन में, तुम आलसी हो, उसके तरीकों पर विचार करें और समझदार बनें, यह अनुच्छेद चाची के व्यवहार और उसके परिणामों पर दो अलग-अलग लेकिन जुड़े हुए उप-इकाइयों में आता है, श्लोक 6 से 8, और आलसी के व्यवहार और उसके परिणाम, श्लोक 9 से 11 में।

6, 8 में क्रियाओं का विषय चाची है, अध्याय 6, श्लोक 6 में एक सामूहिक एकवचन, जो उसके भोजन अभिव्यक्ति के एकवचन के लिए पूर्ववर्ती के रूप में भी कार्य करता है। नतीजतन, वे

विशेषताएं जो 6, 8 को 3, 25 में उसके समकक्ष से अलग करती हैं, संदर्भ द्वारा निर्धारित होती हैं। इसी प्रकार, दूसरी आधी कविता उस व्यावहारिक प्रभाव से प्रभावित है जिसे कवि-संपादक प्राप्त करना चाहता था।

यह काव्यात्मक इकाई विद्यार्थियों से चाची के स्व-प्रेरित दूरदर्शिता और परिश्रम के उदाहरण और उनकी अंतर्निहित आत्मनिर्भरता पर विचार करके परिश्रम सीखने का आग्रह करती है। उनकी दूरदर्शिता, परिश्रम और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है और 6, 8 में समानता के माध्यम से चित्रित किया गया है, जहां दो आधी रेखाएं एक-दूसरे को प्रतिबिंबित करती हैं, लेकिन मॉडल चाची के उद्यम के माध्यम से मनुष्यों के लिए संपूर्ण कृषि चक्र का वर्णन करके एक-दूसरे की पूरक भी हैं। यह उस असुरक्षा और गरीबी के विपरीत है जो सुस्ती को खतरे में डालती है।

नतीजतन, 6, 8 में दूसरे आधे छंद का आकार, 3, 25 में इसके समकक्ष से बहुत अलग है, यह भी संदर्भ द्वारा वातानुकूलित है। यह इकाई विविध पुनरावृत्ति का स्थान है क्योंकि इसके आधे छंद कहीं और घटित होते हैं। 6, 8ए के अलावा, जो 30, 25बी में फिर से प्रकट होता है, चार अर्ध-पंक्तियों का एक संपूर्ण चतुर्थांश नीतिवचन 24, 33-34 में फिर से दिखाई देता है।

जैसा कि पहले ही ऊपर या पहले उल्लेख किया गया है, अध्याय 30, श्लोक 25 में समानता, अध्याय 30 में आसपास के श्लोक 24-28 के अंतर- और ट्रांसलीनियर स्तरों पर काम करती है। यहां पांच छंदों का अनुवाद है। पृथ्वी पर चार चीजें छोटी हैं, फिर भी वे अत्यधिक बुद्धिमान हैं।

चींटियाँ शक्तिहीन लोग हैं, फिर भी वे गर्मियों में अपना भोजन उपलब्ध कराते हैं। बिज्जू वे लोग हैं जिनके पास शक्ति नहीं है, फिर भी वे चट्टानों में अपना घर बनाते हैं। टिड्डियों का कोई राजा नहीं है, फिर भी वे सभी क्रम से चलते हैं।

छिपकली हाथ में पकड़ी जा सकती है, फिर भी यह राजाओं के महलों में पाई जाती है। पाँच छंद मिलकर एक संख्यात्मक कहावत बनाते हैं, और समानांतर तत्व एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में संबंधित होते हैं। श्लोक 24ए में परिचयात्मक पंक्ति के बाद, श्लोक 25-28 की पहली आधी पंक्तियों में चार अन्य समानांतर कथन हैं।

पृथ्वी पर चार चीजें छोटी हैं। चींटियाँ, बिज्जू, टिड्डियाँ, छिपकली। चार श्लोकों की दूसरी आधी पंक्तियों में भी समानांतर रेखाएँ हैं।

श्लोक 24बी में परिचयात्मक पंक्ति के बाद, चार अन्य समानांतर कथन हैं। वे अत्यधिक बुद्धिमान हैं। वे गर्मियों में भोजन उपलब्ध कराते हैं।

वे चट्टानों में अपना घर बनाते हैं। वे सभी पंक्तिबद्ध होकर मार्च करते हैं। यह राजा के महलों में पाया जाता है।

विभिन्न अर्ध रेखाओं के बीच संबंध मजबूत है। एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति तक अंतर-रैखिक समानता है, और छंदों में ट्रांस-रैखिक समानता है। संपूर्ण 30-25बी 30-25ए में एकल शब्द शक्ति के अर्थपूर्ण मूल्य के बराबर है।

यह एक समानता की ओर ले जाता है जिसे पारंपरिक रूप से सिंथेटिक के रूप में वर्णित किया गया होगा। लेकिन अब इसे एक समानता के रूप में देखा जा सकता है जिसमें दूसरी आधी पंक्ति पहली आधी पंक्ति में केवल एक शब्द, यानी आखिरी शब्द पर विस्तार करती है। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप इस कविता में समानता के प्रभाव का पुनर्मूल्यांकन और ताकत पर जोर देने के लिए कविता और उसके आसपास के संदर्भ के संप्रेषणीय इरादे को उजागर करने की काव्यात्मक रणनीति की सराहना होती है, जो इन मजबूत के बावजूद परिश्रम और दूरदर्शिता के माध्यम से हासिल की जाती है। प्राणी अपेक्षाकृत छोटे होते हैं, उन्हें संख्यात्मक कहावत की आवश्यकताओं के अनुरूप आकार दिया जाता है, इसकी प्रारंभिक पंक्ति के साथ, पृथ्वी पर चार चीजें छोटी हैं, फिर भी वे अत्यधिक बुद्धिमान हैं।

कविता बहुवचन में चींटियों की बात करती है, जिसमें बहुवचन क्रिया रूप और बहुवचन सर्वनाम प्रत्यय शामिल हैं जो इसे 6-8ए में इसके भिन्न समकक्ष से अलग करता है। फिर, वे विशेषताएँ जो 6-8ए को 30-25बी में उसके समकक्ष से अलग करती हैं, संदर्भ द्वारा निर्धारित होती हैं। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, मौलिक रूप से भिन्न दूसरे आधे-कविता को छंद में समानांतर के अनुरूप होने की तुलना में आसपास के छंदों में दूसरी छमाही-पंक्तियों के अनुरूप अधिक आकार दिया गया है।

जैसा कि हमने अभी-अभी खोजा है, ट्रांसलीनियर समानताएं दिखाती हैं। नतीजतन, दूसरी छमाही कविता उस व्यावहारिक प्रभाव से प्रभावित है जो कवि-संपादक रखना चाहता था। और अब अध्याय 10, श्लोक 5 की ओर मुड़ें, जो इस क्रम में हमारी तीसरी कहावत है।

यह लौकिक समूह में अंतिम कविता है। अध्याय 10, 1-5, जो नीतिवचन की पुस्तक में 10.1-22.16 में दूसरे प्रमुख संग्रह के संपादकीय शीर्षक सुलैमान की नीतिवचन के तुरंत बाद आते हैं। इस प्रकार, यह नीतिवचन 1-9 में व्याख्याओं के एक्सोडिया के समान संग्रह के लिए एक परिचय के रूप में काम कर सकता है जिसकी हमने पहले चर्चा की है।

यह सुझाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि नए संग्रहों की शुरुआत में भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियों का समूह होता है। नीतिवचन 10.1, 2, 5, 6, 8, 10, 11, 13 और 15। यह नीतिवचन 10 में पहले 15 छंदों का 53% है।

यदि यह सही है, तो 10.5 का आकार, विशेष रूप से जिस तरह से यह 6.8 से भिन्न है, वह भी संदर्भ से प्रभावित हो सकता है। इससे दूसरा निष्कर्ष निकलता है। नीतिवचन 10.5 और वह विशेष व्यवस्था जिसमें यह अब पाई जाती है, उसी संपादकीय रणनीति का परिणाम है जिसने नीतिवचन 1-9 के व्याख्याओं में परिचयात्मक सामग्री को आकार दिया है।

एक व्यापक संपादकीय रणनीति है जो जानबूझकर पूरी किताब में भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियों को नियोजित करती है। और इसलिए हम एक बड़ी योजना उभरती हुई देख रहे हैं। और इससे यह भी पता चलता है कि 10.1-5 पुस्तक के निर्माण के नवीनतम चरणों से संबंधित है, नीतिवचन 10-31 की सामग्री को अध्याय 1-9 के परिचयात्मक संग्रह के साथ जोड़ता है।

इन सुझावों का औचित्य अब प्रस्तुत किया गया है। इस सामग्री और दूसरे संग्रह की प्रकृति अध्याय 1-9 से भिन्न है, जैसा कि हम पहले ही नोट कर चुके हैं, लगभग सभी छंदों में स्व-निहित कहावतें शामिल हैं। इसलिए, छंदों की व्यवस्था अध्याय 1-9 की अधिकांश सामग्री से भिन्न है।

कहावतों के समूह, जैसे कि 10.1-5, स्पष्ट वाक्यविन्यास, वाक्यविन्यास या व्याकरणिक घटनाओं के बजाय विभिन्न प्रकार के दोहराव, विशेष रूप से कैचवर्ड दोहराव के माध्यम से जुड़े हुए हैं। आश्चर्य की बात नहीं है, इसलिए, न तो इस बात पर आम सहमति है कि इस प्रकार के जागरूक समूह मौजूद हैं या नहीं, और न ही इस बात पर कि यदि उनके अस्तित्व की अनुमति दी गई तो व्यक्तिगत कहावतों की व्याख्या के लिए ऐसे समूहों का क्या महत्व हो सकता है। मैंने 2001 में लाइक ग्रेप्स ऑफ गोल्ड सेट इन सिल्वर शीर्षक से प्रकाशित एक मोनोग्राफ में इन मामलों पर कुछ गहराई से चर्चा की है।

नीतिवचन की पुस्तक पर ट्रेम्पे लॉन्गमैन और ब्रूस वाल्टके की दो हालिया टिप्पणियाँ, बहस के दो विपरीत पक्षों का प्रतिनिधित्व करती हैं। लॉन्गमैन ने 2006 की अपनी टिप्पणी में सुसंगत समूहों के विरुद्ध तर्क दिया। मैं वर्तमान चर्चा के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक उनके तीन तर्कों का उल्लेख करूंगा।

चौथे तर्क पर मैं थोड़ी देर में चर्चा करूंगा। पहला, मैं उद्धृत करता हूँ, पुस्तक में कई निकट और पूरी तरह से समान कहावतें हैं। वह उस बात को संदर्भित करता है जिसे मैं भिन्न-भिन्न दोहराव कह रहा हूँ।

लॉन्गमैन के अनुसार, यह तर्कसंगत लगता है कि कहावतें समय के साथ व्यक्तिगत रूप से या समूहों में जोड़ी गईं। बेशक, लॉन्गमैन की धारणा यह है कि इन्हें बेतरतीब ढंग से जोड़ा गया था, जबकि मैं तर्क दे रहा हूँ कि इन्हें पूरी किताब के लिए संपादकीय रणनीति के रूप में जानबूझकर जोड़ा गया था। दूसरे और तीसरे तर्क लॉन्गमैन के एक ही वाक्य में समाहित हैं।

मैं उद्धृत करता हूँ, एसोसिएशन के मानदंड इतने व्यापक और विविध हैं कि विभिन्न विद्वान अलग-अलग इकाइयों के साथ आते रहेंगे। अंत उद्धरण. दूसरी आपत्ति यह है कि जुड़ाव के मानदंड इतने व्यापक हैं कि समूहीकरण को किसी भी सामग्री पर थोपा जा सकता है, चाहे वह कितनी भी असम्बद्ध क्यों न हो।

तीसरा तर्क यह है कि जो विद्वान जानबूझकर समूहों का समर्थन करते हैं, जैसे कि, उदाहरण के लिए, ब्रूस वाल्टके और मैं, व्यवस्थाओं के सटीक परिसीमन के बारे में असहमत हैं, जो बताता है कि या तो व्यवस्थाएं मौजूद नहीं हैं या उन्हें निर्णायक रूप से परिभाषित नहीं किया जा सकता है। विधियाँ आमतौर पर वाल्टके और मेरे जैसे लोगों द्वारा अपनाई जाती हैं। इन और अन्य कम प्रासंगिक तर्कों के आधार पर, लॉन्गमैन ने निष्कर्ष निकाला कि मैं उद्धृत करता हूँ, हमें कहावतों की यादृच्छिक रूप से संरचित व्याख्या पर वापस जाना चाहिए। अंत उद्धरण.

और फिर उन्होंने नीतिवचन 10 से 31 तक की सामग्री की पद्य-दर-पद्य तरीके से व्याख्या करना जारी रखा। लॉन्गमैन को पता है कि जानबूझकर किए गए समूहों को स्वीकार करने से इनकार करना, वर्तमान में, एक अल्पसंख्यक दृष्टिकोण है। मैं उद्धृत करता हूँ, इसमें मैं हाल की अन्य

टिप्पणियों से हट रहा हूँ जिनके बारे में मुझे लगता है कि इन अध्यायों पर खोजे गए उपकरणों की बजाय थोपा गया है।

मैं इन तीनों तर्कों का एक-एक करके उत्तर देना चाहूँगा। सबसे पहले, विभिन्न पुनरावृत्तियों के यादृच्छिक जोड़ के बारे में तर्क के संबंध में। इस खंड में, इसके 680 पृष्ठों पर, मैंने प्रदर्शित किया है कि अधिकांश मामलों में वेरिएंट का जोड़ यादृच्छिक से बहुत दूर था।

दूसरा, इस तर्क के संबंध में कि एसोसिएशन के मानदंड बहुत व्यापक हैं, मेरा तर्क है कि जांच के तहत सामग्री के साथ न्याय करने के लिए मानदंडों को व्यापक होने की आवश्यकता है। ऐसा एक ओर इसलिए है, क्योंकि आसन्न कथावतों के समूह कई अलग-अलग तरीकों से जुड़े हुए हैं, और दूसरी ओर, ऐसा इसलिए है क्योंकि जुड़ाव अपेक्षाकृत ढीले हैं। तीसरा, यह तर्क कि कई समूहों के सटीक परिसीमन के बारे में कोई आम सहमति नहीं है, तब तक ठोस प्रतीत होता है, जब तक कि निश्चित रूप से, हम याद नहीं करते कि यह अधिकांश, यदि सभी नहीं, तो बाइबिल के ग्रंथों के लिए सच है, जिनमें वे भी शामिल हैं जिनके लिए संरचनात्मक व्यवस्थाएं आम तौर पर होती हैं स्वीकृत।

इसलिए, यदि हम बाइबिल की किसी भी पुस्तक की किसी भी चर्चा को देखें, चाहे वह रोमनों के पत्र में हो, नए नियम में हो, या यशायाह की पुस्तक में हो, लगभग किसी भी पैराग्राफ पर, विभिन्न विद्वानों की संख्या x होगी जो थोड़ी भिन्न संरचनात्मक व्यवस्था का प्रस्ताव करेगा। तो, यदि यह बहुत स्पष्ट रूप से, स्पष्ट रूप से, प्रासंगिक रूप से संरचित अंशों के लिए सच है, जैसे कि नए नियम में पॉल के बहुत बारीकी से लिखे गए पत्र, तो हम नीतिवचन में सामग्री के लिए इसे स्वीकार क्यों नहीं कर सकते? अंत में, मुझे लगता है कि यह इंगित करने लायक है कि जानबूझकर समूहों की वकालत करने वाली अधिकांश टिप्पणियाँ जैसे भी, पद्य-दर-पद्य फैशन में अपनी व्याख्याएं प्रस्तुत करती हैं। इन विचारों के प्रकाश में, वॉल्टके का दृष्टिकोण नीतिवचन 10-31 की सामग्रियों के साथ अधिक न्याय करता प्रतीत होता है जिसे लॉन्गमैन अपने तर्कों में अनुमति देता है।

वॉल्टके ने वास्तव में सुझाव दिया कि सोलोमोनिक सूत्र, मैं उद्धृत करता हूँ, मूल रूप से अपने पैरों पर खड़े होने का इरादा रखते थे और उन्हें साहित्य के रूप में एकत्र किया जाता था, उन्हें संदर्भ दिया जाता था, अंतिम उद्धरण दिया जाता था। इसलिए उन्होंने उनकी दोनों तरह से व्याख्या की, पहला अपने आप में व्यक्तिगत छंदों के रूप में, और दूसरा विभिन्न समूहों में उनके साहित्यिक संदर्भ के संबंध में। इसलिए, मुझे ऐसा लगता है कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका लॉन्गमैन के इस आग्रह का पालन करना है कि अलग-अलग कथावतों की अपने तरीके से व्याख्या करने की आवश्यकता है।

हालाँकि, इसे वॉल्टके की इस अंतर्दृष्टि के साथ संवर्धित करने की आवश्यकता है कि अब उनके पास एक साहित्यिक संदर्भ है। और विभिन्न प्रकार के दोहराव, उनमें से 223, नीतिवचन की पुस्तक में, जो कि जहां वे अब दिखाई देते हैं, वहां अच्छी तरह से फिट होने के लिए प्रासंगिक रूप से बदल दिए गए प्रतीत होते हैं, जैसा कि मैंने अभी नीतिवचन 6-8 और 25 के संबंध में दिखाया है, और जैसा कि मैं भी करूँगा अध्याय 10, श्लोक 5 के संबंध में कुछ मिनटों में दिखाएं,

यह सब सुझाव देता है, वास्तव में, हमें प्रासंगिक समूहों पर विचार करना चाहिए। लेकिन मुझे जारी रखने दीजिए।

कई और शायद अधिकांश कहावतें मूल रूप से विभिन्न स्थितियों में मौखिक रूप से निष्पादित करने के लिए स्वतंत्र इकाइयों के रूप में बनाई गई थीं। हालाँकि, अब उन्हें एक साहित्यिक संदर्भ में रखा गया है, और अध्ययनों की बढ़ती संख्या में तर्क, जिनमें वे तर्क भी शामिल हैं जो मैं यहां अपने व्याख्यान और अपनी पुस्तक में आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ, यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि उन्हें संकलित करने वाले संपादकों ने इसका विस्तार किया है उनमें थोड़ा परिवर्तन करके और संदर्भ के अनुरूप ढालकर उन्हें आसपास के छंदों से जोड़ने का काफी प्रयास किया गया है। वास्तव में, वर्तमान वैरिएंट सेट एक उदाहरण है, जैसा कि मैंने पहले ही दिखाया है, और अब मैं 10-5 के संबंध में आगे दिखाने का इरादा रखता हूँ।

जिस भी रूप में अस्तित्व में रहा हो, ऐसा लगता है कि इसे अब इसके वर्तमान संदर्भ में बहुत अच्छी तरह से फिट करने के लिए अनुकूलित किया गया है। अब मैं प्रासंगिक समूहों, मेरे लौकिक समूहों के खिलाफ लॉन्गमैन के चौथे तर्क पर आता हूँ। लॉन्गमैन का चौथा तर्क यह है कि जब आसन्न छंद किसी तरह से जुड़े होते हैं, तब भी यह संबंध उनके बारे में हमारी समझ को नहीं बदलता या समृद्ध नहीं करता है।

इस तर्क को स्पष्ट करने के लिए लॉन्गमैन ने एक उदाहरण का उपयोग किया। उन्होंने यह माना कि पुस्तक में 10-5 को जानबूझकर उसके वर्तमान स्थान पर रखा गया था, उन्होंने नीतिवचन 10, 4-5 को इस अंतर्दृष्टि के अच्छे उदाहरण के रूप में उद्धृत किया कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एक समान विषय की कहावतें कभी-कभी एक साथ समूहीकृत की जाती हैं। अब मैं लॉन्गमैन के एक पैराग्राफ को विस्तार से उद्धृत कर रहा हूँ जिसमें वह दिखाता है कि प्रासंगिक समूह, यहां तक कि जहां वे मौजूद हैं, व्यक्तिगत भागों के अर्थ की व्याख्या में बहुत अधिक अंतर नहीं डालते हैं और अधिक नहीं जोड़ते हैं अलग-अलग हिस्सों के योग से, उन सभी को एक साथ।

मुझे पढ़ने दो. यह काफी लंबा पैराग्राफ है, इसलिए धैर्य रखें। इसमें कोई संदेह नहीं कि दोनों श्लोकों के बीच संबंध है।

पहला एक सामान्य सिद्धांत बताता है, और दूसरा आलस्य बनाम परिश्रम का एक विशिष्ट चित्रण है। लेकिन सवाल यह है कि इन्हें एक साथ क्या लाया? क्या यह एक सचेत संरचना उपकरण था जो पुस्तक को समाप्त कर देता है, जैसा कि हैम और अन्य लोगों ने तर्क दिया है? वह मेरे बारे में बात कर रहा है. हालाँकि, वास्तविकता में, पड़ोसी कहावतों के बीच इस प्रकार का स्पष्ट संबंध अपेक्षाकृत दुर्लभ है।

यह स्पष्टीकरण इससे अधिक जटिल कुछ भी नहीं है कि रास्ते में किसी बिंदु पर रिएक्टर्स में से एक ने एक कनेक्शन देखा और उन्हें एक-दूसरे के बगल में रख दिया। दूसरे शब्दों में, एक कहावत ने दूसरे की स्थिति के लिए चुंबक की तरह काम किया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात, और हैम के विपरीत, कहावत को संदर्भ में पढ़ने से किसी भी कहावत के बारे में हमारी समझ नहीं बदलती है।

यह हमारी समझ को भी समृद्ध नहीं करता है। उद्धरण। जब मैंने कुछ साल पहले ये पत्र लिखे थे, तो मुझे इनके साथ बहुत मज़ा आया था क्योंकि मैं ट्रम्पे लॉन्गमैन को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ।

एक विद्वान के रूप में मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ। ईमानदारी से कहूँ तो, मैंने इसे एक अच्छे विद्वान की प्रशंसा के रूप में लिया, जो एक तरह से मुझे उस स्थिति के प्रस्तावक के रूप में सामने लाने के लिए विरोधी दृष्टिकोण अपनाता है, जिसका वह प्रतिकार करने की कोशिश करता है। हमने इस बारे में बातचीत की है और हम इस पर हंसते हैं।

और यहां तक कि अब जब मैं ट्रम्पे लॉन्गमैन को आलोचनात्मक रूप से जवाब देता हूँ, तो मैं फिर से उनके काम की गुणवत्ता के लिए उच्च स्तर की सराहना के साथ ऐसा करता हूँ, यहां तक कि जहां भी और जब भी मैं उनसे असहमत होता हूँ। तो चलिए शुरू करता हूँ। मैंने लॉन्गमैन का यह लंबा पैराग्राफ इसलिए चुना है क्योंकि यह कई अत्यधिक प्रासंगिक मुद्दों को उठाता है।

और उनमें से और भी हैं, लेकिन मैंने केवल छह का उल्लेख किया है। सबसे पहले, यदि कोई संदेह नहीं है, जैसा कि लॉन्गमैन कहते हैं, 10.4 और 10.5 के बीच संबंध के बारे में इस आधार पर कि एक दूसरे में बताए गए सामान्य सिद्धांत का एक विशिष्ट चित्रण है, तो छंद एक से तीन भी संबंधित क्यों नहीं होने चाहिए, जैसा कि मैं '2001 के मेरे मोनोग्राफ में तर्क दिया है? दूसरा, जो चीज दोनों छंदों को एक साथ लाती है, वह वास्तव में एक सचेत संरचना उपकरण है जो पुस्तक में व्याप्त है, और मैं लॉन्गमैन को फिर से उद्धृत करता हूँ। खैर, वास्तव में, वह लॉन्गमैन मुझे उद्धृत कर रहा है।

मैं लॉन्गमैन को उद्धृत करते हुए मुझे उद्धृत कर रहा हूँ। वैसे भी, यह संरचना उपकरण इस पुस्तक में जांच के तहत आने वाली घटना है, अर्थात् नीतिवचन में 24% से अधिक छंद विभिन्न पुनरावृत्ति में शामिल हैं। और यह एक मामला है।

तीसरा, इस प्रकार का स्पष्ट संबंध अपेक्षाकृत दुर्लभ नहीं है, लेकिन अक्सर होता है। उदाहरण के लिए, रूथ स्कोरोलेक द्वारा एक मोनोग्राफ में प्रस्तुत आसन्न छंदों के बीच कई लिंक देखें। चौथा, अध्याय 10 छंद चार और पांच के प्रासंगिक प्लेसमेंट के लिए स्पष्टीकरण यह नहीं है कि एक रेडैक्टर ने कोई कनेक्शन देखा है।

बल्कि, यदि मेरा यह तर्क कि 10.5, 6.8 का एक अपेक्षाकृत मुक्त संस्करण है, सही है, तो यह संभव है कि 10.5 अपने स्रोत, अर्थात् 6.8, का एक सचेत अनुकूलन है, जो न केवल 10.4 का, बल्कि एक विशिष्ट उदाहरण के रूप में एक नए संदर्भ का भी है। विशेष रूप से 10.1. इस कथन के समर्थन में, अब मैं अपने पिछले मोनोग्राफ में एक जानबूझकर समूहीकरण के रूप में 10.1 से 5 के परिसीमन के लिए अपने स्वयं के औचित्य को उद्धृत करता हूँ। और फिर, यह काफी लंबा उद्धरण है, इसलिए मेरी बात मानें।

श्लोक एक से पाँच में सकारात्मक और नकारात्मक कथनों का एक चिस्टिक पैटर्न प्रत्येक श्लोक को निम्नलिखित के साथ जोड़ता है, क्योंकि एक श्लोक की दूसरी पंक्ति का प्रस्ताव निम्नलिखित में से पहले से मेल खाता है। पुत्र शब्द चार बार आता है, हर बार बंधे हुए रूप में, दो बार श्लोक एक

में और दो बार श्लोक पांच में, इस प्रकार इन छंदों के चारों ओर एक गैर-शाब्दिक समावेश, एक रूपरेखा, एक आवरण बनता है। श्लोक एक में पुत्र शब्द प्रारंभिक पंक्ति है।

श्लोक पाँच में, यह अंत में है। श्लोक दो से तीन सामग्री और रूप में मेल खाते हैं, दोनों में धर्मी और दुष्ट शब्दों का उल्लेख है और दोनों ही निषेध से शुरू होते हैं, नहीं या नहीं। और एक अपूर्ण।

वे विभिन्न स्तरों पर चियास्मस प्रदर्शित करते हैं और शब्द क्रम भी चियास्मस प्रदर्शित करते हैं। श्लोक चार से पांच की सामग्री समान है क्योंकि श्लोक चार में आलसी और मेहनती हाथ को श्लोक पांच में मेहनती और आलसी के रूप में समझाया गया है। श्लोक पाँच में मेहनती और आलसी पुत्र।

श्लोक पाँच श्लोक एक को निर्दिष्ट करता है क्योंकि बुद्धिमान पुत्र को मेहनती और मूर्ख पुत्र को आलसी बताया गया है। श्लोक दो से चार बिना लाभ के पत्राचार के माध्यम से जुड़े हुए हैं और एक तरफ जरूरतमंद बनाते हैं और दूसरी तरफ मृत्यु से मुक्ति दिलाते हैं और समृद्ध करते हैं, इस प्रकार श्लोक तीन को एक चिस्टिक व्यवस्था के केंद्र में रखा जाता है। अब, 10.4 और 10.5 के बीच एक स्पष्ट संबंध प्रस्तुत करने के लॉन्गमैन के मानदंड के आधार पर, हम अनुमान लगा सकते हैं कि सभी पांच छंदों के बीच समान संबंध मौजूद हैं।

यह मुझे मेरे पांचवें तर्क पर लाता है। यह परिकल्पना कि 10.5, 10.1 में सामान्यीकरण का एक विशिष्ट उदाहरण प्रदान करता है, 10.5 में समानता की चर्चा में ऊपर प्राप्त अंतर्दृष्टि से परिष्कृत किया जा सकता है। वहां, मेरा तर्क है कि एक सक्षम बेटे और एक बदनाम बेटे के बीच पत्राचार की अस्पष्ट प्रकृति काव्य पंक्ति में निहित जानकारी की मात्रा को बढ़ाती है क्योंकि अस्पष्ट विरोधाभास विपरीत पंक्ति में उनके संबंधित एंटोनिम्स का संकेत देते हैं। अब हम एक कदम आगे बढ़ सकते हैं।

यदि हम इसे प्रासंगिक निहितार्थ के साथ जोड़ते हैं कि श्लोक पाँच श्लोक एक का एक विशिष्ट उदाहरण है क्योंकि बुद्धिमान पुत्र को मेहनती और मूर्ख पुत्र को आलसी के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि श्लोक पाँच का सक्षम पुत्र वास्तव में एक सम्माननीय है पुत्र, वह बुद्धिमान पुत्र है जो पिता को प्रसन्न करता है। अर्थात् वह अपनी उपलब्धियों से अपने पिता का सम्मान करता है या उन्हें गौरवान्वित करता है। इसके विपरीत, बदनाम पुत्र वास्तव में एक अयोग्य पुत्र होता है।

वह एक मूर्ख पुत्र है जो अपनी माँ के दुःख का कारण बनता है क्योंकि वह उसकी चिंता करती है, श्लोक एक, ईमानदार तरीकों से जीविकोपार्जन करने में असमर्थता के कारण, श्लोक तीन से चार। निष्कर्षतः, ऐसा नहीं है कि किसी रिएक्टर ने अब दस-चार और दस-पांच के बीच कोई संबंध देखा हो। बल्कि, संपादक ने नीतिवचन एक से नौ और नीतिवचन दस-एक से बाईस को जोड़ने के लिए परिचयात्मक सामग्री के रूप में पुनः उपयोग के साथ-साथ बेटे को उसकी मूल सेटिंग में शिक्षित करने के लिए छह-आठ में संस्करण की क्षमता देखी।

फिर उन्होंने न केवल दस-पांच और दस-चार के बीच, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दस-पांच और दस-एक और बीच के अन्य छंदों के बीच भी संबंध बनाया। श्लोक 10:5 को उस

संदर्भ के अनुसार अनुकूलित किया गया है जिसमें यह अब प्रकट होता है। इस अर्थ में, दस-एक-से-पांच नीतिवचन छह, एक से ग्यारह के मनुष्यों की वास्तविक दुनिया में एक प्रयोग की तरह है।

यह मुझे जानबूझकर समूहों के व्याख्यात्मक महत्व की लॉन्गमैन की आलोचना के जवाब में मेरे छठे और अंतिम बिंदु पर लाता है। पिछले बिंदु के अंतर्गत विचार से पता चलता है कि कहावत को संदर्भ में पढ़ने से इस समूह में कहावतों या कहावतों के बारे में हमारी समझ बदल जाती है और समृद्ध होती है। समानता और संदर्भ के बारे में मेरे द्वारा पहले की गई टिप्पणियों को मिलाकर, अब हम देख सकते हैं कि छह-आठ, जो कई लोगों की राय में पुस्तक के नवीनतम भागों में से एक है, वास्तव में 10:5 के लिए एक स्रोत के रूप में काम करता है। पुस्तक का एक अंतिम भाग भी।

इस निष्कर्ष के दो अतिरिक्त कारण हैं कि दस-पांच एक भिन्न पुनरावृत्ति है। सबसे पहले, अन्य वेरिएंट पास में स्थित हैं। दूसरा, जबकि दस-पांच को छह-आठ के एक प्रकार के रूप में पहचाना जा सकता है, इसमें प्रदर्शित होने वाले अंतरों की संख्या और जिस तरह से ये अंतर दस-एक-से-पांच छंदों में संदर्भ के साथ बातचीत करते हैं, उससे पता चलता है कि यह छह-से लिया गया है। आठ।

इसलिए, मुझे पता है कि यह एक बड़ा, विस्तृत, बहुत तरह का संरचित, लंबा-चौड़ा तर्क रहा है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह कई कारणों से सार्थक रहा है। इन पूरे व्याख्यानों में, मैं यह तर्क देता रहा हूँ कि हमें बाइबिल की कविता को कल्पना के साथ पढ़ने की जरूरत है, और मैंने यह भी तर्क देने की कोशिश की है कि कल्पना के साथ पढ़ना कोई काल्पनिक उद्यम नहीं है, बल्कि यह मेहनती, सावधान, व्यवस्थित विश्लेषण की मांग करता है जो, हालांकि, करता है विस्तार में न फंसें, बल्कि हर एक छंद के सभी विभिन्न पहलुओं और बारीक विवरणों की कल्पनाशील व्याख्या के साथ विस्तार से बड़े चित्र की ओर बढ़ें। और मुझे आशा है कि दस से इकतीसवें अध्याय के इस शुरुआती खंड में मैं जो दिखाने में सक्षम हूँ, वह यह है कि इन शुरुआती छंदों के संदर्भ में भिन्न-भिन्न पुनरावृत्ति और अनुकूलन के माध्यम से इस संपादकीय समूह ने हमारे लिए एक मॉडल, एक लौकिक समूह बनाया है जो पुरस्कृत करता है इस तरह से सावधानीपूर्वक पढ़ना कि यह वास्तव में समूहों के रूप में विभिन्न कहावतों के बीच एक आकर्षक, सार्थक बातचीत को बढ़ाता है, समृद्ध करता है और बनाता है जिसमें वे अब दिखाई देते हैं।

इसलिए, मैं अपने मामले को शांत करता हूँ, लेकिन निम्नलिखित व्याख्यानों में, मैं समूहों, संदर्भ और कल्पनाशील व्याख्याओं और अध्याय 10 से 29 में कहावतों के अनुप्रयोगों पर भी ध्यान आकर्षित करना जारी रखूंगा।